

# **SAURASTRA UNIVERSITY, RAJKOT**

(Re-Accredited Grade B by NAAC

(CGPA 2.93)

## **DEPARTMENT OF SANSKRIT**

### **SYLLABUS**

भद्राओना स्पष्टीकरण सहित

## **CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**

**FOR M.A. SANSKRIT**

**(SEMESTER SYSTEM)**

**IMPLIMENTATION FROM 2010-11**

**SEMESTER-I**

CCT-01	Vedic Texts and Grammar	Credits-04
CCT-02	Classical Epic	Credits-04
CCT-03	Darshana	Credits-04
ECT-01	Alamkarshastra or Vedantashastra	Credits-04
ICT-01	Inter/Multi Disciplinary Course-1	
	Functional Sanskrit & its cultural aspects	Credits-04

**SEMESTER-II**

CCT-04	Vedangas	Credits-04
CCT-05	Gadyakavya	Credits-04
CCT-06	Grammar	Credits-04
ECT-02	Alamkarshastra or Vedantashastra	Credits-04
ICT-02	Inter/Multi Disciplinary Course-2	
	Functional Sanskrit & its cultural aspects	Credits-04

**SEMESTER-III**

CCT-07	Unseen and Essay	Credits-04
CCT-08	Rupaka - A critical study	Credits-04
CCT-09	Linguistics	Credits-04
ECT-03	Alamkarshastra or Vedantashastra	Credits-04
ECT-04	Itihas - Purana or Dharma Shastra	Credits-04

**SEMESTER-IV**

CCT-10	Arthashastra	Credits-04
CCT-11	Classical Epic	Credits-04
CCT-12	Vedanta	Credits-04
ECT-05	Alamkarshastra or Vedantashastra	Credits-04
ECT-06	Puranashastra or Dharmashastra or Dissertation	Credits-04

**Department of Sanskrit - Year 2010-2011**  
**Programme - M.A.(Semester System)**  
**Semester-I**

Course Code	Name of Course	Credits
CCT-01	<p><b>Vedic Texts and Grammar</b></p> <p><b>Unit-1 ऋग्वेदसूक्तानि</b></p> <p>१. अग्नि (१.१)                      २. इन्द्रः (२.१२)</p> <p>३. पुरुषः (१०.९०)                      ४. उषस् (५.८०)</p> <p>५. हिरण्यगर्भ (१०.१२१)                      ६. नासदीय(१०.१२९)</p> <p>७. वाक् (१०.१२५)</p> <p><b>Unit-2 अथर्ववेद-पृथिवी(१२.१)</b></p> <p><b>Unit-3 ब्राह्मण एवं आरण्यकः सामान्य लक्षण, विशेषताएँ, दर्शपौर्णमासयज्ञ, आख्यान-शुनःशेष तथा वाङ्मनस् पञ्चमहायज्ञ ।</b></p> <p><b>Unit-4 स्वर-उदात्त, अनुदात्त तथा स्वरित</b></p> <p>वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर</p> <p>वैदिक व्याख्या पद्धति - प्राचीन एवं अर्वाचीन</p>	Credits-04
CCT-02	<p><b>Classical Epic</b></p> <p><b>Unit 1 भारविवरचितं किरातार्जुनीयम्(सर्ग-१) श्लोक १-२३</b></p> <p><b>Unit-2 भारविवरचितं किरातार्जुनीयम्(सर्ग-१) श्लोक २४-४६</b></p> <p><b>Unit-3 श्रीहर्षविरचितं नैषधीयचरितम्(सर्ग-१) श्लोक १-७०</b></p> <p><b>Unit-4 श्रीहर्षविरचितं नैषधीयचरितम्(सर्ग-१) श्लोक ७१-१४५</b></p>	Credits-04
CCT-03	<p><b>Darshana</b></p> <p><b>Unit-1 ईश्वरकृष्णरचिता सांख्यकारिका १-३६</b></p> <p><b>Unit-2 ईश्वरकृष्णरचिता सांख्यकारिका ३७-७२</b></p> <p><b>Unit-3 अन्नंभट्टविरचित तर्कसंग्रह(संपूर्ण)</b></p> <p><b>Unit-4 केशवमिश्रविरचिता तर्कभाषा- प्रमातृ, प्रमेय, प्रमाण और प्रमिति की अवधारणाओं का अध्ययन</b></p>	Credits-04

Course Code	Name of Course	Credits
ECT-01	<b>Alamkarshastra</b> <b>Unit-1</b> आचार्यमम्मटविरचितं काव्यप्रकाश(१ उल्लासः) <b>Unit-2</b> आचार्यमम्मटविरचितं काव्यप्रकाश(२ उल्लासः) <b>Unit-3</b> आचार्यमम्मटविरचितं काव्यप्रकाश(५ उल्लासः) <b>Unit-4</b> आचार्यमम्मटविरचितं काव्यप्रकाश(१० उल्लासः)	<b>Credits-04</b>
ECT-01	<b>OR Vedantashstra</b> वेदान्तविद्या <b>Unit-1</b> अद्वैतवेदान्त उत्पत्तिः, परम्परा एवम् विकासः <b>Unit-2</b> वेदान्तसम्प्रदायाः (१) अद्वैत, (२) विशिष्टाद्वैत (३) द्वैत, (४) द्वैताद्वैत, (५) शुद्धाद्वैत, (६) अचिन्त्यभेदाभेद <b>Unit-3</b> धर्मराज अध्वरेन्दु विरचिता वेदान्तपरिभाषा : प्रत्यक्षपरिच्छेदः <b>Unit-4</b> श्रीविद्यारण्यमुनिविरचिता पंचदशी प्रकरण-१ तत्त्वविवेकप्रकरणम्	<b>Credits-04</b>
ICT-01	<b>Inter/Multi Disciplinary Course-1 Functional Sanskrit and its cultural aspects</b> <b>Unit-1</b> संस्कृत भाषा, उत्पत्ति एवं उनकी अवधारणाए शब्दरचना-स्वरान्त एवम् व्यञ्जनान्त विभक्तिसंरचना एवं उनके विशिष्ट प्रयोग <b>Unit-2</b> संधि विचार : स्वर, व्यंजन और विसर्ग सन्धि समास : द्विगु, द्वन्द्व, कर्मधारय, तत्पुरुष और बहुव्रीही <b>Unit-3</b> संस्कृत क्रियासपदसंरचना : आदेश, गण, गणविभाजन, विकरणप्रत्यय, पुरुषवचन वर्तमानकाल एवं भूतकाल की क्रियापदसंरचना वाक्यसंरचनायाम् प्रयोगः <b>Unit-4</b> संस्कृत वाक्यसंरचना व्याकरणमूला प्रक्रिया, पदावबोधन नामपद, क्रियापद, सर्वनाम, विशेषण, विशेष्य, अव्यय गुजरातो से संस्कृत में अनुवाद	<b>Credits-04</b>
	<b>Total</b>	<b>Credits 20</b>

**M.A. Semester-II**

Course Code	Name of Course	Credits
<b>CCT-04</b>	<p><b>Vedangas</b></p> <p><b>Unit-1</b> वेदाङ्गो का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय संस्कृत छन्द (नियत छन्दो)</p> <p><b>Unit-2</b> यास्काचार्यरचितं निरुक्तम् (अध्याय १) चार पद- नाम का विचार, आख्यात का विचार, उपसर्गो का अर्थ, निपातों की कोटियाँ क्रिया के छः रूप (षड्भावविकाराः) निरुक्त के अध्ययन के उद्देश्य</p> <p><b>Unit-3</b> यास्काचार्यरचितं निरुक्तम् (अध्याय २) निर्वचन के सिद्धान्त निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँ आचार्य, वीर, हृद, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, निघण्टु</p> <p><b>Unit-4</b> विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन, विशेषतः निम्नलिखित उपनिषदों के सन्दर्भ में : ईश, कठ, केन, बृहदारण्यक, तैत्तिरीय</p>	<b>Credits-04</b>
<b>CCT-05</b>	<p><b>Gadyakavya</b></p> <p><b>Unit-1</b> बाणभट्टविरचितं हर्षचरितम् उच्छ्वास-५</p> <p><b>Unit-2</b> बाणभट्टविरचितं हर्षचरितम् उच्छ्वास-५</p> <p><b>Unit-3</b> दण्डीविरचितं दशकुमारचरितम् उच्छ्वास-८</p> <p><b>Unit-4</b> बाणभट्टविरचिता कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्तः)</p>	<b>Credits-04</b>
<b>CCT-06</b>	<p><b>Grammar</b></p> <p><b>Unit-1</b> भट्टोजिदीक्षितविरचिता सिद्धान्तकौमुदी-संज्ञाप्रकरणम्</p> <p><b>Unit-2</b> भट्टोजिदीक्षितविरचिता सिद्धान्तकौमुदी-कारकप्रकरणम् (प्रथमा-तृतीया-पंचमी विभक्ति)</p> <p><b>Unit-3</b> भट्टोजिदीक्षितविरचिता सिद्धान्तकौमुदी-कारकप्रकरणम् (द्वितीया-चतुर्थी विभक्ति)</p> <p><b>Unit-4</b> भट्टोजिदीक्षितविरचिता सिद्धान्तकौमुदी-कारकप्रकरणम् (षष्ठी-सप्तमी विभक्ति)</p>	<b>Credits-04</b>

Course Code	Name of Course	Credits
ECT-02	<b>Alamkarshastra</b> <b>Unit-1</b> आचार्यभरतमुनिविरचित नाट्यशास्त्र (अ. १,२) <b>Unit-2</b> आचार्यभरतमुनिविरचित नाट्यशास्त्र (अ. ६) <b>Unit-3</b> धनञ्जयरचितं दशरूपकम् (प्रकाश-१) <b>Unit-4</b> धनञ्जयरचितं दशरूपकम् (प्रकाश-३)	<b>Credits-04</b>
ECT-02	<b>or Vedantashastra</b> ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्ये चतुःसूत्री <b>Unit-1</b> सूत्र-१ <b>Unit-2</b> सूत्र-२ <b>Unit-3</b> सूत्र-३ <b>Unit-3</b> सूत्र-४	<b>Credits-04</b>
ICT-02	<b>Inter/Multi Disciplinary Course-2 Functional Sanskrit &amp; its Cultural aspects</b> <b>Unit-1</b> व्युत्पत्तिमूलक शब्दरचना प्रक्रिया, प्रकृतिप्रत्यय विभाजन संस्कृत कृदन्तरचना : कर्मणि भूतकृदन्त, वर्तमानकृदन्त, हेत्वर्थकृदन्त, सम्बन्धक भूतकृदन्त, विध्यर्थ कृदन्त <b>Unit-2</b> संस्कृत अलंकार परिचय : उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अपहृति, समासोक्ति, दृष्टान्त, निदर्शना, अप्रस्तुतप्रशंसा, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति : विविधेषु वाक्येषु/श्लोकेषु तेषां प्रयोगः <b>Unit-3</b> संस्कृत क्रियापदरचना आज्ञार्थ-विध्यर्थ एवं भविष्यकाल विविधेषु वाक्येषु/श्लोकेषु तेषां प्रयोगः <b>Unit-4</b> संस्कृत लेखनम् : निबन्धात्मकम् वर्णनात्मकञ्च (१) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम् (२) विद्यागौरवम् (३) मम प्रियः कविः (४) मम प्रियः ग्रन्थः (५) आधुनिकजीवने योगविद्या (६) छात्रकर्तव्यम् (७) परिश्रमगौरवम् (८) स्वामिविवेकानन्दः (९) वर्तमानभारतस्य दशा दिशा च(१०) भारतीयदर्शनानि	<b>Credits-04</b>
	<b>Total</b>	<b>Credits 20</b>

**M.A. Semester-III**

Course Code	Name of Course	Credits
CCT-7	<b>Unseen and Essay</b> Unit-1 संस्कृत में अनुवाद Unit-2 संस्कृत से अनुवाद Unit-3 संस्कृत निबंधलेखन Unit-4 संस्कृत गद्यार्थग्रहण	Credits-04
CCT-8	<b>Rupaka - A critical study</b> Unit-1 अभिज्ञानशाकुन्तलम्, Unit-2 उत्तररामचरित, Unit-3 मुद्राराक्षस, Unit-4 रत्नावली	Credits-04
CCT-9	<b>Linguistics</b> Unit-1 (१) ध्वनि नियम ग्रिम, ग्रासमान और वर्नर (२) अर्थपरिवर्तन की दिशाओं और उसके कारण (३) वाक्य का लक्षण एवं अंतर (४) भाषा एवं वाक् में अंतर (५) भाषा एवं बोली में अंतर Unit-2 (१) भाषाओं का वर्गीकरण (२) भाषा की परिभाषा (३) भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय Unit-3 महाभाष्य (पस्पशाह्निक) शब्द की परिभाषा शब्द एवं अर्थ सम्बन्ध व्याकरण के अध्ययन के उद्देश्य Unit-4 महाभाष्य (पस्पशाह्निक) व्याकरण की परिभाषा साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम व्याकरण की पद्धति	Credits-04
ECT-3	<b>Alamkarshastra</b> Unit-1 राजशेखररचिता काव्यमीमांसा (अध्याय १ से ३) Unit-2 राजशेखररचिता काव्यमीमांसा (अध्याय ४ से ६) Unit-3 जगन्नाथरचितं रसगङ्गाघर (प्रथम आनन) Unit-4 जगन्नाथरचितं रसगङ्गाघर (प्रथम आनन)	Credits-04

Course Code	Name of Course	Credits
ECT-3	<p><b>or Vedantashastra उपनिषद्विद्या</b></p> <p><b>Unit-1</b> उपनिषद् अर्थ एवं वर्ण्यविषयाः/मुख्या-उपनिषद् परिचयात्मिका भूमिका</p> <p><b>Unit-2</b> केनोपनिषद् (संपूर्ण)</p> <p><b>Unit-3</b> माण्डूक्योपनिषद्-प्रकरण-१-२</p> <p><b>Unit-4</b> माण्डूक्योपनिषद्-प्रकरण-३-४</p>	Credits-04
ECT-04	<p><b>Itihas - Purana</b></p> <p><b>Unit-1</b> पुराण की परिभाषा पुराण साहित्य का उद्भव-विकास महापुराण एवं उपपुराण</p> <p><b>Unit-2</b> पौराणिक सृष्टिविज्ञान पुराण एवं लौकिक कलाएँ पौराणिक आख्यान : (१) पृथुचरित (२) ययातिचरित (३) इलाबुधोपाख्यान (४) विक्रमोर्वशीयकथा (५) समुद्रमन्थनकथा (६) सहस्रार्जुनचरित्र</p> <p><b>Unit-3</b> रामायण का क्रम रामायण में आख्यान ( बालकांड के आख्यान ) रामायणकालीन समाज परवर्ती ग्रन्थों के लिए रामायण एक प्रेरणास्रोत (भास, कालिदास और भवभूति के सन्दर्भ में) रामायण का साहित्यिक महत्त्व</p> <p><b>Unit-4</b> महाभारत का क्रम महाभारत में आख्यान ( आदिपर्व के आख्यान ) महाभारतकालीन समाज परवर्ती ग्रन्थों के लिए महाभारत एक प्रेरणास्रोत (भास, कालिदास, भारवि, माघ और भट्टनारायण के सन्दर्भ में) महाभारत का साहित्यिक महत्त्व</p>	Credits-04
ECT-04	<p><b>or Dharmashastra</b></p> <p><b>Unit-1</b> प्रमुखाः ग्रंथाः एवं तेषां चिंतकाः</p> <p><b>Unit-2</b> विचारविधाः एवं तासां विकास</p> <p><b>Unit-3</b> गौतमधर्मसूत्र-अध्याय-१</p> <p><b>Unit-4</b> गौतमधर्मसूत्र-अध्याय-१३</p>	Credits-04
	<b>Total</b>	<b>Credits 20</b>



**M.A. Semester-IV**

Course Code	Name of Course	Credits
CCT-10	<b>Arthashastra</b> <b>Unit-1</b> कौटिलीयविरचित अर्थशास्त्र (अधिकरण १ अध्याय १ से ५) <b>Unit-2</b> कौटिलीयविरचित अर्थशास्त्र (अधिकरण १ अध्याय ६ से १०) <b>Unit-3</b> कौटिलीयविरचित अर्थशास्त्र (अधिकरण १ अध्याय ११से १५) <b>Unit-4</b> कौटिलीयविरचित अर्थशास्त्र (अधिकरण १ अध्याय १६से २१)	Credits-04
CCT-11	<b>Classical Epic</b> <b>Unit-1</b> महाकविकालिदासविरचितम् रघुवंशम् (सर्ग १) <b>Unit-2</b> महाकविकालिदासविरचितम् रघुवंशम् (सर्ग १४) <b>Unit-3</b> माघविरचितम् शिशुपालवधम्(प्रथम सर्ग) श्लोक १-४० <b>Unit-4</b> माघविरचितम् शिशुपालवधम्(प्रथम सर्ग) श्लोक ४१-७५	Credits-04
CCT-12	<b>Vedanta</b> <b>Unit-1</b> लौगाक्षिभास्करविरचितः अर्थसंग्रहः <b>Unit-2</b> लौगाक्षिभास्करविरचितः अर्थसंग्रहः <b>Unit-3</b> सदानन्दविरचितः वेदान्तसारः <b>Unit-4</b> सदानन्दविरचितः वेदान्तसारः	Credits-04
ECT-05	<b>Alamkarshastra</b> <b>Unit-1</b> आनन्दवर्धनविरचितं ध्वन्यालोक (उद्योत-१) <b>Unit-2</b> आनन्दवर्धनविरचितं ध्वन्यालोक (उद्योत-१) <b>Unit-3</b> कुन्तकविरचितं वक्रोक्तिजीवितम् (उन्मेष-१) <b>Unit-4</b> कुन्तकविरचितं वक्रोक्तिजीवितम् (उन्मेष-१)	Credits-04
ECT-05	<b>or Vedantashastra</b> <b>ब्रह्मसूत्र-श्रीभाष्याणुभाष्ये</b> <b>Unit-1</b> ब्रह्मसूत्र-श्रीभाष्ये सूत्र-१-१-२ <b>Unit-2</b> ब्रह्मसूत्र-श्रीभाष्ये सूत्र-१-१-३ <b>Unit-3</b> ब्रह्मसूत्र-श्रीभाष्ये सूत्र-१-१-४ <b>Unit-4</b> ब्रह्मसूत्र-अणुभाष्ये सूत्र-१-१-४	Credits-04

Course Code	Name of Course	Credits
ECT-06	<b>Puranashastra</b> Unit-1 विष्णुपुराण-(अंश-१) (अध्याय १ से १०) Unit-2 विष्णुपुराण-(अंश-१) (अध्याय ११ से २२) Unit-3 विष्णुपुराण-(अंश-२) (अध्याय १ से ८) Unit-4 विष्णुपुराण-(अंश-२) (अध्याय ९ से १६)	<b>Credits-04</b>
ECT-06	<b>or Dharmashastra</b> Unit-1 आपस्तम्ब धर्मसूत्रम्-हरिदत्तटीका सहितम् Unit-2 आपस्तम्ब धर्मसूत्रम्-हरिदत्तटीका सहितम् Unit-3 पराशरस्मृतिः Unit-4 पराशरस्मृतिः	<b>Credits-04</b>
ECT-06	<b>or Dissertation</b>	<b>Credits-04</b>
	<b>Total</b>	<b>Credits 20</b>